17. छोटी-सी हमारी नदी

शब्दार्थ पढ़िए और याद कीजिए—

शब्द	= अर्थ
ढोर-डंगर	= मवेशी, पशु
पेटे	= तलहटी, नदी के तल में
काँस	= विशेष झाड़ी
घाम	= धूप
अमराई	= आम के पेड़ों की बगिया
सघन	= बहुत घना
साँझ-सकारे	= सुबह-शाम
उतराती	= पानी से भर जाती
पारों	= किनारों, तटों
टोला	= छोटी बस्ती, मोहल्ला

शब्द	= अर्थ
पाट	= फैलाव, विस्तार
झकाझक	= चमकीला
डार-डार	= डाल-डाल, डाली-डाली
बाम्हन टोला	= ब्राह्मणों की बस्ती
गमछा	= बदन पोंछने का कपड़ा
नदिया	= छोटी नदी
घिरनी	= चरखी, गरारी
रोला	= शोरगुल, कोलाहल
कछार	= नदी के किनारे की ज़मीन, घाटी

छाना = छानने का साधन जैसे जाल या छन्नी

दन्नाती = 'दन्न' की आवाज़ करती हुई

भँवर = तेज़ लहरों से पानी में बनने वाला गहरा गोला

पाठ-ज्ञान

1. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

छोटी-सी .....

..... जाते पर।

पार जाते .....

..... इसका ढालू।

2. निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए—

(i) पेटे में झकाझक बालू कीचड़ का न नाम,
काँस फूले एक पार उजले जैसे धाम।
दिन भर किचपिच-किचपिच करती मैना डार-डार,
रातों को हुआँ-हुआँ कर उठते सियार।

अर्थ .....

.....

.....

.....

(ii) कभी-कभी वे साँझ-सकारे निबटा कर नहाना
छोटी-छोटी मछली मारें आँचल का कर छाना।
बहुएँ लौटे-थाल माँजती रगड़-रगड़ कर रेती
कपड़े धोतीं, घर के कामों के लिए चल देतीं।

अर्थ .....

.....

.....

.....

शब्द-ज्ञान

1. दिए गए शब्दों-युग्मों को उदाहरण के अनुसार उचित स्थान पर लिखिए—

टेढ़ी-मेढ़ी, डार-डार, ढोर-डंगर, हुआँ-हुआँ, छाँहों-छाँहों,
धार-कछारों, साँझ-सकारे, छोटी-छोटी

उदाहरण —	घिरनी-भँवरी	गमछों-गमछों
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....
	.....	.....

2. विलोम शब्द लिखिए—

छाँह ×	तेज़ ×	उजले × .....
चंचल ×	गँदला ×	साँझ × .....

3. तुकांत शब्द लिखिए—

धार —	चालू —	नाम — .....
डार —	वन —	रेती — .....
रोला —	नहाना —	